भारतीय भाषा केन्द्र, उत्तराखण्ड

Snehil

ICSSR

एम.के.पी. (पी.जी.) कालेज

देहरादून (उत्तराखण्ड)

सम्बद्ध : हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल (केन्द्रीय) विश्वविद्यालय
श्रीनगर, उत्तराखण्ड

चित्रकला विभाग

द्वारा आयोजित

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय संस्कृति के प्राण–'श्री राम'

भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

20 सितम्बर 2025

डॉ. सरिता कुमार
प्राचार्या
एम.के.पी. (पी.जी.) कालेज देहरादून

डॉ. ममता सिंह
संयोजिका (राष्ट्रीय संगोष्ठी)
सहयुक्त आचार्या एवं अध्यक्षा
चित्रकला विभाग

एम.के.पी. (पी.जी.) कालेज के विषय में

एम.के.पी. पी.जी. कॉलेज का आदर्श वाक्य– ऋते ज्ञानान्न मुक्तिः अर्थात ज्ञान मुक्ति प्रदान करता है, यही प्रेरणा लेकर 1902 में महादेवी जी और श्री ज्योति स्वरूप भटनागर जी ने बालिका शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रयास प्रारंभ किया। 100 वर्षों से अधिक समय के बाद आज यह शिक्षण संस्थान महिला शिक्षा के क्षेत्र में उत्तराखंड ही नहीं देश में विख्यात है। महाविद्यालय में छात्राओं के शैक्षणिक विकास के साथ साथ पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के प्रयास किए जाते हैं, एम.के. पी. पी.जी. कॉलेज की छात्राओं ने विविध क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय योग्यता सूची में एम.के.पी. पी.जी. कॉलेज की छात्राओं की निरंतर श्रेष्ठ उपस्थिति दिखाई देती है। महाविद्यालय में विख्यात कलाकार, शिक्षाविदों की उपस्थिति ''जिनमें राष्ट्रपति डॉ0 अब्दुल कलाम जी, श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित, श्री रामकुमार वर्मा, श्रीमती मार्ग्रेट अल्वा, श्री सुरजीत सिंह बरनाला, श्रीमती शोभना नारायण, श्री यशोधर मठपाल, कलाविद वी.एस. राही, श्री अमृत लाल नागर, श्री भगवत शरण उपाध्याय, डॉ एन.एल. वर्मा के नाम उल्लेखनीय है'' कालेज को गरिमा प्रदान करती रही है।

एन.सी.सी, एन.एस.एस., ईको रेस्टोरेशन क्लब, सांस्कृतिक समिति, खेल समिति, वाद–विवाद समिति, वीमेन सेल, प्लेसमेंट सेल आदि के द्वारा संपूर्ण वर्ष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष जई20 के संदर्भ में आकाशवाणी और दूरदर्शन के संयुक्त तत्वावधान में एन.एस.एस प्रकल्प द्वारा संगीत संवाद का आयोजन किया गया साथ ही आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में वर्ष 2022–2023 में राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी, राष्ट्रीय संगोष्ठी, युवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। वाद–विवाद समिति, कैरियर काउंसलिंग आदि के द्वारा संपूर्ण वर्ष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

चित्रकला विभाग द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियां आयोजित की जाती रही हैं, रविन्द्र नाथ टैगोर स्मृति कला उत्सव, श्रीगंगा राष्ट्रीय चल कला प्रदर्शनी, संवेदना राष्ट्रीय कला यात्रा, मंडाण कला उत्सव सराहनीय प्रयास रहे हैं। चित्र कला विभाग भारतीय लोककलाओं के संरक्षण, प्राचीन कला संरक्षण हेतु निरंतर विख्यात कलाकारों द्वारा कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं ।

गत वर्ष भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद एवं स्नेहिल संस्था के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय संस्कृति ज्ञान परंपरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन एक अभिनव प्रयास है। भारत की युवा चेतना को जाग्रत करने की दिशा में सितंबर माह में 'श्रीराम' भारतीय संस्कृति के प्राण–राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

संगोष्ठी परिचय

भारतीय संस्कृति हजारों वर्षों पुरानी एक जीवंत और समृद्ध परंपरा है, जिसकी जड़ें वेद, पुराण, उपनिषद और महाकाव्यों में गहराई से समाई हुई हैं। इस समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के केंद्र में एक ऐसा आदर्श पुरुष स्थित हैं जिनका नाम केवल एक ऐतिहासिक या धार्मिक पात्र के रूप में नहीं, बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में लिया जाता है। – 'श्रीराम।'

श्रीराम न केवल भारतीय जनमानस के आदर्श हैं, बल्कि धर्म, नीति, करुणा, सहिष्णुता, नेतृत्व और लोककल्याण के प्रतीक भी हैं। उनकी जीवन यात्रा अयोध्या से वनवास, सीता की खोज, रावण वध और रामराज्य की स्थापना भारतीय चेतना का सार प्रस्तुत करती है। उनका चरित्र आज भी लोककथाओं, रामलीलाओं, मंदिरों, उत्सवों और जनश्रुति में जीवित है, और समाज को नैतिक दिशा देने वाला है।

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य श्रीराम के जीवन, आदर्शों और उनके व्यापक सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक तथा दार्शनिक प्रभावों पर विचार–विमर्श करना है। साथ ही यह संगोष्ठी श्रीराम को केवल धार्मिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि भारतीयता की आत्मा, संस्कृति के प्राण और राष्ट्र के नैतिक पथप्रदर्शक के रूप में पुनः स्थापित करने का प्रयास करेगी।

वर्तमान समय में जब सांस्कृतिक मूल्य और नैतिक आचरण वैश्विक चुनौती बन चुके हैं, श्रीराम का आदर्श जीवन हमें संयम, मर्यादा, धैर्य, त्याग और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। यह संगोष्ठी विद्वानों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों और चिंतकों को एक साझा मंच प्रदान करेगी, जहाँ वे श्रीराम के व्यापक सांस्कृतिक विमर्श में अपनी भागीदारी कर सकें। आइये, शब्दों से, रंग रेखाओं से मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम को नमन करें, भारत की चेतना के स्वर को प्रबल करें। हम सब माँ भारती की जाग्रत संतानें भारतीय संस्कृति की अमरता का उद्घोष करें।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के उप–विषय

- वाल्मीकि रामायण : आदर्श समाज
- तुलसीदास कृत रामचरित मानस : भक्ति, नीति, संस्कृति
- लोक परंपरा में श्रीराम
- मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम
- भारत की आध्यात्मिक और दार्शनिक चेतना में श्रीराम
- भारत की विविध भाषाओं में श्रीराम
- स्थापत्य, मूर्तिकार, चित्रकला में श्रीराम
- साहित्य की प्रेरणा श्रीराम
- प्राचीन भारत के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक परिप्रेक्ष्य में श्रीराम
- भारत की पर्यावरणीय दृष्टि और श्रीराम
- अयोध्या– आध्यात्मिक, एतिहासिक,सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य
- रामराज्य और महात्मा गांधी
- स्वतंत्रता संग्राम में सांस्कृतिक प्रेरक श्रीराम
- राष्ट्रवाद और श्रीराम (स्वामी विवेकानंद, सावरकर, श्री अरबिंदोघोष के दृष्टिकोण के संदर्भ में)
- आधुनिक काल में साहित्य और कला में श्रीराम
- भारत के संविधान में श्रीराम के आदर्श
- भारत की शिक्षा नीति में श्रीराम के जीवन मूल्य
- वैश्विक परिप्रेक्ष्य में श्रीराम (इंडोनेशिया, थाइलैंड, कंबोडिया, दक्षिण कोरिया, नेपाल आदि)
- रामराज्य की अवधारणा और समसामयिक लोकतंत्र
- रामायण काल और वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य

शोध पत्रों का प्रेषण

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग करने के इच्छुक विद्वानों से अनुरोध है कि वे ऊपर सुझाए गए विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करें, लेकिन ये केवल सुझाए गए विषय हैं। शोधकर्ता अपनी रुचि और महत्व के किसी भी विषय को सह–सम्बन्धित कर शामिल कर सकता है।

प्रतिभागियों को स्पष्ट रूप से शीर्षक, केंद्रीय विषयों, नियोजित कार्यप्रणाली और निष्कर्ष का उल्लेख करना चाहिए। लगभग 5000 शब्दों में शोध पत्र अंग्रेजी (The Times New Roman) / हिन्दी (Krutidev 010) में A4 आकार के पेपर में कंप्यूटर टाइप किया जाना चाहिए और कृपया ईमेल– **mkppaintingdept@gmail.com** भेजा जा सकता है। भाषा– केवल हिंदी / अंग्रेजी भाषा मान्य है। उत्कृष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र को ISBN नंबर वाली पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

शोध सारांश एवं शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथि
31 अगस्त 2025

पंजीकरण शुल्क विवरण

प्राध्यापक एवं प्रतिभागी	रु0 1200
शोध छात्र/छात्राएं	रु0 600
छात्र/छात्राएं	रु0 200
बैंक	Union Bank of India
शाखा	MKP College, Dehradun
खाता संख्या	503302030000143
IFSC Code	UBIN0550337

संरक्षिका

डॉ. सरिता कुमार
प्राचार्या
एम.के.पी. (पी.जी.) कॉलिज देहरादून

संयोजिका

डॉ. ममता सिंह
अध्यक्षा, चित्रकला विभाग
एम.के.पी. (पी.जी.) कॉलिज देहरादून

सह-सचिव

सोनाली नेगी
शोधार्थी, चित्रकला विभाग

सपना कुनियाल
शोधार्थी, चित्रकला विभाग

समन्वय समिति

डॉ. पुनीत सैनी
प्रो. आलोक भावसार
डॉ. नीतू त्रिपाठी

प्रो. एस.सी. जोशी
डॉ. अलका मोहन शर्मा
प्रो. एस.सी. जोशी

डॉ. शालिनी उनियाली
प्रो. डी.एस. बिष्ट
डॉ. चेतना पोखरियाल

आयोजन समिति

डॉ. एल्वीदास
डॉ. हरिओम शंकर
डॉ. आरती सिसौदिया

डॉ. नीशू भाटी
डॉ. विनीता दहिया
डॉ. तूलिका चन्द्रा
डॉ. मोनिका भटनागर

डॉ. रीता तिवारी
डॉ. मीनाक्षी शर्मा
श्रीमती पूनम सिंह

सम्पर्क सूत्र : 9759512941, 9557258967, 9411727037
E-mail: mkppaintingdept@gmail.com